# मंगल मूरति मारुतनंदन जय हनुमान

मनोजवम मारुत तुल्य वेगम, जितेंद्रियम बुद्धिमतां वरिष्ठं
वातात्मजं वानारायूथ मुख्यम, श्रीराम दूतं शरणम प्रपद्धे ||

मंगल मूरति, मारुतनंदन, भक्तविभूषण जय हनुमान
सकल अमंगल, मूल निकंदन, संकट मोचन जय हनुमान ||
(जय हनुमान - जय हनुमान ) - २
(जय हनुमान -जय हनुमान, जय हनुमान -जय हनुमान) - २

पवन तनय संतन हितकारी, हृदय बिराजत अवधविहारी
राम लखन सीता श्री चरण में, भक्तविभूषण जय हनुमान ||
जय हनुमान ...

मातुपिता, गुरु, गनपति, सारद, सिवा समेत संभु सुख नारद
राम लखन सीता श्री चरण में, भक्तविभूषण जय हनुमान ||
जय हनुमान ...

चरन बंदी बिनबौ सब काहूँ, देहु रामपद नेह निबाहूं
राम लखन सीता श्री चरण में, भक्तविभूषण जय हनुमान ||
जय हनुमान ...

बंदौ राम लखन बैदेही, जे तुलसी के परम सनेही
राम लखन सीता श्री चरण में, भक्तविभूषण जय हनुमान ||
जय हनुमान ...

गीत : संत तुलसी दास
संगीत : अरुण सराफ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1317/title/mangal-murati-maaruti-nanadan-bhaktvibhushan-jai-hanumaan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |